अध्यक्ष महोदय : मैंने काफी टाइम दे दिया है ।

International Rice Commission

\+

*547. **Shri Bibhuti Mishra:**
Shri K. N. Tiwary:
Shri Yashpal Singh:
Shri Bagri:
Shrimati Ramdulari Sinha:

Will the Minister of **Food, Agriculture, Community Development and Cooperation** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the International Rice Commission met in Delhi from the 3rd to 8th October this year;

(b) if so, the subjects discussed there; and

(c) the extent to which India has been benefited by this Conference?

The Deputy Minister in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Shyam Dhar Misra): (a) Yes, Sir.

(b) The subjects of discussion included Rice Production and Protection, Rice Soils, Water and Fertiliser Practices and Agricultural Engineering Aspects of Rice Production.

(c) This conference gave an opportunity to the Indian scientists and rice specialists to exchange scientific information and technical know-how on the various aspects of rice. The scientific papers contributed by the visiting delegations constituted very important sources of information which would benefit research on various aspects of rice in India.

श्री विभूति मिश्र : यह जितने विज्ञानवेत्ता आये और माननीय मंत्री जी भी शायद उस में होंगे, मैं यह जानना चाहता हूं कि भदई धान में जो कीड़ा लग जाता है और अगहनी धान का फूल झड़ जाता है, क्या वज्ञानवेत्ता लोगों को उन्होंने हिन्दुस्तान के विभिन्न धान के खेतों को दिखाया और देखने के बाद उन्होंने कोई सुझाव दिया ?

श्री श्याम धर मिश्र : यह तो इस प्रकार की चीजों पर हमारे रिसर्च में ही ध्यान दिया जा रहा है और पूसा इंस्टीट्यूट में और लोकल रिसर्च सेंटर्स में भी इस संबंध में ध्यान दिया जाता है । जहां जहां इस तरह की पेस्ट्स और डिजीज़ेज होती हैं, उनकी दवा बतायी जाती है कि क्या किया जाय । इस डेलीगेशन ने भी कहीं कहीं जा कर देखा है और वहां इन्तजाम भी किया है । वैसे यह जनरल इंटरनेशनल कान्फरेंस है जिस में कि कुछ चीजें डिस्कस की जाती हैं न कि पर्टीकुलर जगहों की कोई एक समस्या को लाया जाय ।

श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष जी, मेरी समझ में यह नहीं आया कि यह जनरल क्वेश्चन क्या होगा ? धान का होगा, किसी खास खेत में वहां बीमारी लगे, या कि सारी दुनिया भर की बीमारी तो लग नहीं जाएगी, जब लगेगी तो धान में लगेगी और धान खेत में होता है तो मंत्री महोदय से मैं जानना चाहता हूं कि जो हिन्दुस्तान के अन्दर धान की खेती में बीमारियां होती हैं, उन बीमारियों को यह कान्फरेंस के जो विज्ञानवेत्ता थे उन के सामने रखा गया था या नहीं और यदि रखा गया तो उन के बारे में उन्होंने कौन कौन से सुझाव दिए ?

श्री श्याम धर मिश्र : श्रीमन्, कोई स्पेसिफिक धान की बीमारी ऐसी नहीं है कि जिसको हम खास तौर से रखते । जो बीमारियां हैं उनकी दवा भी हमें मालूम है जैसे हमारे

अध्यक्ष महोदय : वह कहते हैं कि जो हमारे एक्सपर्टस हैं वह तो रोज देखते होंगे लेकिन यह जो इंटरनेशनल एक्सपर्टस थे उनको हमारे आदमियों ने यहां की बीमारियां समझायीं कि हमारे यहां यह बीमारी है और जो हमारे आदमी सजेशन देते हैं उनके अलावा इंटरनेशनल एक्सपर्टस ने भी कोई खास सुझाव दिए इन बीमारियों के लिए ?

श्री श्यामधर मिश्र : ऐसा कुछ नहीं रखा गया ।

श्री क० ना० तिवारी : जब उन लोगों ने कोई सुझाव नहीं दिया तो इस कान्फरेंस की जरूरत क्या थी? और क्या यह भी सही है कि जरूरत न रहने पर भी बाहर के विशेषज्ञ यहां बुलाये जाते हैं ?

श्री श्यामधर मिश्र : यह इंटरनेशनल कान्फरेंस थी । केवल हिन्दुस्तान के पर्टीकुलर ईश्यूज पर नहीं थी । इसमें करीब करीब पन्द्रह देशों ने पार्टिसिपेट किया और करीब 40 लोगों ने भाग लिया । टेकनिकल पेपर्स रखे गए जिसमें ग्रोविंग आफ राइस, लो एरिया में किस प्रकार राइस पैदा किया जाय, अपलैंड फार्मिंग कैसे की जाय और राइस का प्रोडक्शन और प्रोटेक्शन किस तरह हो इन सब बातों पर विचार हुआ ।

श्री यशपाल सिंह : श्रीमन्, मैं यह जानना चाहता हूं कि हमारा देश कोई डिबेटिंग क्लब तो है नहीं कि कोई भी आये और राय दे । इस कान्फरेंस से हमारे देश को दूसरे मुल्कों से कितना चावल मिलने की संभावना है यह माननीय मंत्री जी बतायें और बीमारियों का जहां तक ताल्लुक है हमारे यहां पूसा इंस्टीट्यूट में एक से एक बढ़कर एक्सपर्टस बैठे हैं जो उनको भी सिखा सकते हैं जिनको बुलाकर आपने दावत खिलायी ।

अध्यक्ष महोदय : यह चावल देने तो नहीं आये थे ।

Shrimati Ram Dulari Sinha: May I know whether any assessment was made of the total production of rice in the coming years and the percentage of the requirements of India to be fulfilled out of that production?

Shri Shyam Dhar Misra: That does not arise out of this international rice conference.

Shri P. Venkatasubbaiah: In view of the fact that the deficit of rice production in our country is not as big as is depicted and also in view of the fact that we have taken up several strains of rice cultivation in this country, especially Taichung-21, Tainan-1 and other varieties, may I know whether this conference has discussed the attendant plant protection measures that are to be undertaken for growing of hybrid varieties of rice to wipe out the rice deficit in our country?

Shri Ranga: New pests are coming in.

Shri Shyam Dhar Misra: This conference was not in relation to particular issues of rice crop in India. This was an international conference on rice crop in this country and in all other countries, and all aspects in general about the crop damage, crop protection, crop production etc. were discussed, but not in relation to India alone.

Shrimati Savitri Nigam: What are the special recommendations which have been acceptable or accepted by India and the implementation part has been taken up by the Government, and may I know whether deep-water paddy for waterlogged areas has also been discovered or recommended by this conference?

Shri Shyam Dhar Misra: So far, the recommendations of this conference as approved by the FAO have not been received by us. The subjects they discussed I have given in the main body of the answer. We have not received the final recommendations. Therefore, I cannot say.

श्री म० ला० वर्मा : मैं अभी कोटा जिल में गया था तो वहां हंसा गांव में देखा कि हेलीकोप्टर से खेतों में दवाई छिड़क रहे थे तो क्या हिन्दुस्तान के लिए यह जरूरी है और हिन्दुस्तान इस का खर्च उठा सकता है कि हेलीकोप्टर से दवा छिड़की जाय ?

श्री श्यामधर मिश्र : न केवल यह हमारी हैसियत में है बल्कि जरूरी भी है कि जहां जहां लम्बे इलाके हैं और जहां जहां ऐसी बीमारी हो, वहां यह किया जाय । राजस्थान से अधिक महाराष्ट्र में यह हुआ है और हम चाहते हैं कि और अधिक इस को फैलायें ।

श्री शिवनारायण : सरकार से मैं यह जानना चाहता हूं कि इस कान्फरेंस में आपने इतना रुपया खर्च किया और जो 15 मुल्कों के आदमी आये थे क्या आप किसी गांव में भी ले गए थे उनको दिखाने के लिए ?

अध्यक्ष महोदय: इसका जवाब उन्होंने बहुत दे दिया ।

Dantwala Committee's Report on Co-operative Marketing

*548. **Shri Yashpal Singh:** Will the Minister of **Food, Agriculture, Community Development and Cooperation** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 619 on the 23rd August, 1966 regarding the Dantwala Committee's Report on Cooperative Marketing and state the further progress made in this respect?

The Deputy Minister in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Shyam Dhar Misra): The full report of the Committee is still awaited. It is expected to be submitted by December, 1966.

श्री यशपाल सिंह : जब तक वह रिपोर्ट आये, सरकार ने यह गौर किया है कि जो कोआपरेटिव सीड स्टोरस हैं वह 25 परसेंट इंटरेस्ट किसानों से ले रहे हैं और ग्रोअर 25 परसेंट इंटरेस्ट नहीं दे सकता तो इस को घटा कर के 7 परसेंट जैसे कि दूसरे बैंकों में लिया जाता है इस प्रकार से लिया जाय, इस पर सरकार ने गौर किया है ?

श्री श्यामधर मिश्र : श्रीमन्, यह बात सही है कि कुछ प्रदेशों में जहां गल्ला किसानों को कोआपरेटिव सीड स्टोर्स के जरिये दिया जाता है वहां सवाया के रूप में गल्ला लिया जाता है कोआपरेटिव के जरिये और उसी को माननीय सदस्य 25 परसेंट कह रहे हैं । कैश में कहीं नहीं लिया जाता ।

श्री यशपाल सिंह : सवाया 25 परसेंट ही तो हुआ ।

श्री श्यामधर मिश्र : वह 25 परसेंट जो लिया जाता है वह इस लिए लिया जाता है कि जो गल्ला लिया जाता है वह क्राप के बाद लिया जाता है और उस में नमी रहती है । तो ड्रायेज वगैरह पूरा करने के लिए यह सवाया लिया जाता है और कुछ स्टेटों में यह लागू है ।

श्री यशपालसिंह : इसका तो वही मतलब हो गया, सवाया कह लीजिए या 25 परसेंट कह लीजिए ।

मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या आपने ऐसी कोशिश की है कि उस कमेटी की रिपार्ट जल्द से जल्द आये, जिससे किसानों को राहत मिले । क्या इस के लिए आपने उन को लिख कर भेजा है ?

श्री श्यामधर मिश्र : जी हां, उन को लिखा भी है और उन से जिक्र भी किया गया है तथा उन्होंने कहा है कि यह रिपोर्ट दिसम्बर, 66 तक कम्पलीट हो जायगी ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Manufacture of Marine Diesel Engines

*551. **Shri R. S. Pandey:** Will the Minister of **Transport, Aviation, Shipping and Tourism** be pleased to state:

(a) whether it is planned to manufacture marine diesel engines at the Hindustan Shipyard, Visakhapatnam; and

(b) if so, details of the planned programmes in this regard?